भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: गिल्लू कायपत्रिका की तिथिः -------------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टीफन तिथिः------------------------------

विद्यार्थी का नाम :---------------------- कक्षा : IX ब

	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	
.1	सोनजुही म लगी पीली कली को देख लेखिका के मन म कौन से विचार उमड़ने लगे?	
उ.	सोनजुही म लगी पीली कली को देख लेखिका के मन म यह विचार आया कि गिल्लू सोनजुही के पास ही मिट्टी म दबाया गया था। इसलिए अब वह मिट्टी म विलीन हो गया और उसे चौंकाने के लिए सोनजुही के पीले फूल के रूप म फूट आया होगा।	
.2	पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?	
उ.	कौए को समादरित इसलिए कहा गया है क्योंकि पितर पक्ष म उसकी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि उसे खिलाने से हमारे पूवजों का पेट भरता है। दूसरे की आने के प्रियजन किसी अपने हम तो ह बोलते कौए ये जब , म सूचनाािलती है। कौए को अनादरित अथात् अपमानित इसलिए कहा गया है क्योंकि उसकी काँव है। गया माना ककश को काँव- करता। नहीं पसंद कोई को आवाज़ कठोर उसकी	
.3	गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ?	
उ.	महादेवी वमा ने गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार बड़े ध्यान से ममतापूवक किया। पहले उसे कमरे म लाया गया। उसका खून पोंछकर घावों पर पसिलिन लगाई गई। उसे रूई की बत्ती से दूध पिलाने की कोशिश की गई। परंतु दूध की बूँद मुँह के बाहर ही लुढ़क गई।कुछ समय बाद मुँह म पानी टपकाया गया। इस प्रकार उसका बहुत कोमलतापूवक उपचार किया गया।	
.4	लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?	
उ.	गिल्लू लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए सर से परदे के ऊपर चढ़ जाता और तेज़ी से नीचे उतर आता था। वह तब तक लगातार ऐसा करता ही रहता थाउ उठकर महादेवी कि तक जब ,से लिफाफे म बंद न कर द।	

5	गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?	
उ.	महादेवी ने देखा कि गिल्लू अपने हिसाब से जवान हो गया था। उसका पहला वसंत आ चुका था। खिड़की के बाहर कुछ गिलहरियाँ भी आकर चिकचिक करने लगी थीं। गिल्लू उनकी तरफ प्यार से देखता रहता था। इसलिए महादेवी ने समझ लिया कि अब उसे गिलहरियों के बीच स्वच्छंद विहार के लिए छोड़ देना चाहिए। लेखिका ने गिल्लू की जाली की एक कील इस तरह उखाड़ दी कि उसके आने वह अब गया। बन रास्ता का जाने-से इच्छा अपनी बाहर के जाली आथा। सकता जा-	
.6	गिल्लू किन अर्थों म परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?	
उ.	जिन दिनों महादेवी वमा अस्वस्थ होकर घर म लेटी हुई थी बड़ी वह था। रहता बैठा सिरहाने उनके गिल्लू तब , था। करता सहलाया को बालों और सिर उसके से पंजों नन्हे-नन्हे अपने से कोमलताइस तरह वह एक अच्छी सेविका की भूमिका निभा रहा था।	
.7	गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है?	
उ.	गिल्लू की निम्नलिखित चेष्टाओं से महादेवी को लगा कि अब उसका अंत समीप है- • उसने दिन भर कुछ नहीं खाया। • वह रात को अपना झूला छोड़कर महादेवी के बिस्तर पर आ गया और उनकी उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया।	
.8	प्रभात की प्रथम किरण के स्पश के साथ ही वह किसी और जीवन म जागने के लिए सो गया—का आशय स्पष्ट कीजिए।	
उ.	जैसे ही सवेरा हुआलेन जन्म म जीवन किसी अगले छोड़कर को जीवन इस गिल्लू ,े के लिए चला गया। आशय यह है कि सुबह होते ही उसकी मृत्यु हो गई।	
.9	सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन म किस विश्वास का जन्म होता है?	
उ.	सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनी थी। इससे लेखिका के मन म यह विश्वास जम गया कि एक-न-लेगा। ले जन्म म रूप के फूल चटक पीले पर बेल की सोनजुही इसी गिल्लू यह दिन एक	